(ग) जी, हां।

(घ) संविदा-समझौतों में अंतर्निहित खण्ड के अनुसार मूल्य वृद्धि को विनियमित किया जाता है।

Treatment of Patients Suffering from Cancer

*331. SHRI AHMED MOHMEDBHAI PATEL: SHRI SURESH PACHOURI:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to
state:

(a) whether it has been reported in the Press recently that 3 lakh people die of cancer annually in India;

(b) if so, whether it is a fact that at present 15 lakh cancer patients are reported in the country;

(c) whether it has also been reported that 60% of the cancer patients are in the age group of 35-65 years;

(d) whether it is also a fact that tobacco related cancer constitutes 50% of the cases in India; and

(e) if so, what steps Government propose to take to check this disease and also the provisions made for treatment of these patients?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. C. SILVERA): (a) and (b) It is estimated that more than 3 lakh persons die of cancer each year. At any point of time, there are about 15 to 20 lakh patients in the country.

(c) According to the data available from the National Cancer Registry Programme of the Indian Council of Medical Research, the proportion of cancer cases in the age group 35-65 years varies from 54% to 74.5%.

(d) The data from National Cancer Registry Programme shows that about one-third of the total cancer cases belong to tobacco related cancer sites. However, tobacco related cancers in males constitute about half of the total cancer cases.

(el Under National Cancer Control Programme, emphasis is laid on prevention, early detection and augmentation of treatment facilities. A number of schemes have accordingly been initiated from the year 1990-91. The Government have also initiated several measures like health education about the ill-effects of tobacco and prohibition of smoking in public places.

आई०एस०आई० की गतिविधियां

*332. श्री राघवजी: क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में देश में आई०एस०आई० की गतिविधियां बढ़ गई हैं;

(ख) यदि हां, तो यह संगठन देश के किन-किन प्रांतों में अधिक सक्रिय है; और

(ग) सरकार ने इसकी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए हाल के माहों में क्या-क्या कदम उठाए है?

गृह मंत्री (श्री शंकरराव चव्हाण): (क) और (ख) पंजाब और जम्मू व कश्मीर में उग्रवादियों को सहा दिए जाने, उनकी मदद करने, उनहें प्रशिक्षण देने तथा हथियारों से लैस करने में पाकिस्तान की आई०एस०आई० का हाथ होने में, निश्चित रूप से कोई संदेह नहीं रह गया है। बम्बई और दिल्ली में कुछ व्यक्तियों की गिरफ्तारी से यह सिद्ध हो गया है कि सोढ़-फोड़ और विध्वंस की इन गतिविधियों में पाकिस्तान की आई०एस०आई० का दिमाग काम कर रहा है। इस बात का भी पता चला है कि भारत की सीमा के उस पार से काम कर रही पाकिस्तान की आई०एस०आई० देश में उग्रवादी गुटों को हथियार और गोलाबारूद तथा प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। भारत के पश्चिमी समुद्री तट पर बड़ी मात्रा में लाए गए हथियारों और बम्बई में हुए बम विस्फोटों से पाकिस्तानी आई०एस०आई० का सक्रिय रूप से लिप्त होने के बारे में पता चला है। उपलब्ध रिपोर्टों से यह भी पता चला है कि आई०एस०आई० राजस्थान की सीमा पर भी सक्रिय है। मामले में और ब्यौरे देना जनहित में नहीं होगा।

(ग) सरकार आई०एस०आई० के इरादों का मुकाबला करने और उन्हें नाकाम करने के लिए आसूचना तंत्र को सक्रिय और सुग्राही बना कर, संबंधित केन्द्रीय और राज्य